एक नजर में

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम सम्पन्न

आलीराजपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में विकासखंड सोंडवा अंतर्गत सेक्टर उमराली के ग्राम पंचायत किलोडा में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और हरियाली को जीवनशैली का हिस्सा बनाना था। कार्यक्रम के दौरान मुख्?यमंत्री डॉ मोहन यादव जी का संदेश देखा एवं सुना गया । इसके पश्चात महिलाओं की भागीदारी से एक सशक्त महिला संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें हरियाली, जलवायु संतुलन और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा पर संवाद हुआ । महिलाओं द्वारा निकाली गई कलश यात्रा,महिलाओं ने स्थानीय लोकगीतों की धुन पर पूरे गांव में पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित किया। फ्रएक पेड़ माँ के नामफ्र, फ्रपेड़ लगाओ - जीवन बचाओफ्र जैसे नारे ग्रामीण जनों को गहरे तक प्रेरित करते रहे। इस दौरान 11-11 पौधे भेट स्वरूप दिए गए एवं एक पेड़ माॅ के नाम पौधे रोपे गए । इस दौरान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित गांव के वरिष्ठ पटेल एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी ।

हरियाली अमावस्या पर लायंस क्लब ऑफ पेटलावद ग्रेटर द्वारा पौधारोपण कर उत्सव मनाया

पेटलावद। पेड़ पौधे लगाकर हम उन्हें बड़ा करे ताकी वह आने वाली पीढ़ी के लिए एक वरदान बन सके। आज हमारे आसपास हम हरियाली देख कर प्रसन्नचित्त हो जाते है। प्रकृति का स्वरूप इस समय बहुत आकर्षक लगता है। यह प्रकृति प्रदत्त आनंद है। हमे इस आनंद को आने वाले पीढ़ी को देने के लिए पौधारोपण जरूरी है। इसके लिए आज का दिन बड़ा मंगलमय है। आज हरियाली अमावस्या है। जिसका लाभ लेकर हर व्यक्ति को पौधे लगाकर उन्हें बड़े करने का संकल्प लेना चाहिए। उक्त बात लायंस क्लब पेटलावद ग्रेटर के अध्यक्ष जीवन भंडारी ने गुरूवार को हरियाली अमावस्या पर वृंदा आनंदम गौशाला परिसर में पौधारोपण के दरम्यान कहीं। लायंस क्लब पेटलावद ग्रेटर के द्वारा पर्यावरण सहेजने की दिशा में अपने प्रयासों को सतत बढ़ाते हुए इस शुभ दिन पर गौशाला परिसर में पौधारोपण कर हरियाली अमावस्या का पर्व मनाया। इसके साथ ही क्लब के सदस्यों ने समीप स्थित तालाब में मछलियों को दाना भी डाला। इस अवसर पर क्लब के सचिव वीरेंद्र भट्ट, पूर्व झोंन चेयरपर्सन लायन रविराज पुरोहित, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन सुरेश प्रजापति, लायन नवीन वैरागी, लायन दीपक सोलंकी, लायन राजेश सिंधराज, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी वैरागी, उषा प्रजापति, प्रेरणा पुरोहित, ममता पंवार, अमिता भंडारी,शिवानी सोलंकी,बाबुलाल परमार आदि उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से आत्महत्या संबंधित अलर्ट पर की त्वरित कार्रवाई

झाबुआ। शुक्रवार 25 जुलाई को दोपहर 12.43 बजे फेसबुक/इंस्टाग्राम (मेटा) द्वारा राज्य सायबर सेल, जोन इंदौर के माध्यम से सायबर सेल झाबुआ को एक इंस्टाग्राम यूज़र द्वारा आत्महत्या से संबंधित वीडियो/फोटो/कमेंट पोस्ट करने की जानकारी प्राप्त हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त इंस्टाग्राम यूज़र ने एक दवाई से संबंधित वीडियो पोस्ट कर नीचे लिखा था फ्रमेरे भाई आखरी दिन है आज। घटना की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल द्वारा तत्काल संज्ञान लिया गया। चूंकि संबंधित यूज़र थाना थांदला क्षेत्र का था, उन्होंने तत्काल थाना प्रभारी थांदला को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। थाना थांदला की पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्य करते हुए संबंधित इंस्टाग्राम यूज़र और उसके परिवार से संपर्क कर पूछताछ की गई। जांच के दौरान यह पाया गया कि उक्त पोस्ट मजाक में की गई थी तथा किसी वास्तविक आत्मघाती प्रवृत्ति का संकेत नहीं था। पुलिस टीम द्वारा बच्चे एवं उसके परिवार को सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग को लेकर समुचित समझाइश दी गई एवं भविष्य में इस प्रकार की पोस्ट न करने हेतु चेतावनी भी दी। झाबुआ पुलिस आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील करती है कि सोशल मीडिया का प्रयोग सोच-समझकर करें और ऐसी कोई भी पोस्ट न करें जिससे समाज में भ्रम, भय या अनुचित संदेश फैले। साथ ही, यदि कोई मानसिक तनाव या परेशानी हो, तो परिवार, मित्रों या विशेषज्ञों से अवश्य संपर्क करें।

आज होगा विशेष राजस्व समाधान शिविर का आयोजन

झाबुआ। शासन निर्देशानुसार राजस्व के लंबित कार्यों का निराकरण किया जाना है, इस संबंध में कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार राजस्व समाधान शिविर जिले की समस्त तहसीलों के राजस्व अधिकारी द्वारा निर्धारित तिथि 26 जुलाई को ग्राम पंचायतों में आयोजित किया जाएगा। शिविर का समय प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। शिविर में बी-1 वाचन कराया जाना, राजस्व संबंधी आवेदनों शिकायत सीमाकंन, नामांतरण, बंटवारा, राजस्व रिकार्ड में सुधार, ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एंव आधार से खसरा लिंकिंग, फॉर्मर रजिस्ट्री, जमीन संबंधी कब्जा दिलाने की कार्यवाही, रास्ते संबंधी विवाद का निराकरण एवं सार्वजनिक मार्ग, चरनोई भूमि, शमशान भूमि, मंदिर की भूमि, सार्वजनिक स्थान आदि के अतिरिक्त नदी, नाले पर अतिक्रमण को रोकना एवं अतिक्रमण की सूचना प्राप्त होने पर स्थल का मौका मुआयना कर किये गये अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाना तथा राहत राशि एवं दुर्घटना संबंधी प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। समस्त तहसीलों के ग्राम पंचायतों में राजस्व अधिकारियों द्वारा शिविर लगाया जाएगा। तहसील राणापुर की ग्राम पंचायत खड़कुई में सहायक कलेक्टर आशीष कुमार, ग्राम पंचायत चारोलीपाड़ा में तहसीलदार सुनिल डावर, ग्राम पंचायत आमलीपठार में ना. तहसीलदार ललित नान्दले द्वारा शिविर लगाया जाएगा। ग्राम पंचायत वागलावाट भूरिया में तहसीलदार रामा प्रमेश जैन, ग्राम पंचायत मातासुला में तहसीलदार राणापुर हुकुमसिंह निंगवाल, ग्राम पंचायत रेतालुंजा में ना. तहसीलदार राणापुर मो. अयाज खान, ग्राम पंचायत डुंडका में तहसीलदार मेघनगर पलकेश परमार, ग्राम पंचायत पंचपिपलिया में ना. तहसीलदार मेघनगर मृदुला सचवानी, ग्राम पंचायत कलदेला में तहसीलदार थांदला सुकदेव डावर, ग्राम पंचायत नाहरपुरा में नायब तहसीलदार खवासा राजेश जमरा, ग्राम पंचायत रामगढ़ में तहसीलदार पेटलावद अनिल बघेल, ग्राम पंचायत बेड़दा में ना. तहसीलदार झकनावदा विजेन्द्र कटारे एवं ग्राम पंचायत गामड़ी में ना. तहसीलदार पेटलावद अंकिता भिंडे द्वारा शिविर लगाया जाएगा। शिविर में राजस्व अधिकारियों द्वारा राजस्व संबंधी कार्यों का निराकरण मौके पर भी किया जाएगा।

आजाद साहित्य परिषद ने स्वर्ण जयंती समारोह मनाया

झाबुआ। विगत पचास वर्षों से साहित्य (हिंदी) के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था आजाद साहित्य परिषद ने अपना स्वर्ण जयंती समारोह मनाते हुए अनेक कवि, साहित्यकार, अभिभाषक, समाजसेवी तथा अंतरराष्ट्रीय कवि शंभु मनहर एवं पर्यावरण के पर्याय बने राजाराम कटारा की उपस्थिति में 51वें वर्ष में प्रवेश किया। इस अवसर पर 41 वर्षों तक संस्था को मातृत्व भाव से पोषण करने वाले संस्थापक अध्यक्ष गीतकार वीरेंद्र मोदी को आजाद रत्न सम्मान से विभूषित किया गया। समारोह की अध्यक्षता डॉ केके त्रिवेदी ने की। प्रारंभ में मां वीणावादिनि और शहिंद चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर माल्यार्पण किया। सरस्वती वंदना प्रकाश त्रिवेदी और स्वागत गीत विशाखा पंवार ने प्रस्तुत किया। जन नेतृत्व, संस्कृति रक्षा शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, जीवदया आदि क्षेत्र के 35 बंधुओ का प्रतीक चिन्ह, माला से सम्मान करते हुए शब्द सरस्वती, शब्द साधना और हिंदी सेवा में अपना अनुकरणीय योगदान देने वाले करीब 37 विशिष्ट शख्स गणेश उपाध्याय, परमेश्वर रायपुरिया, सुरेश समीर, प्रवीण सोनी, जयेंद्र वैरागी, महेंद्र खुराना, आयशा कुरैशी, गीता दुबे, ज्योति सुरेश, अन्नू भाबर आदि का सम्मान भी प्रतीक चिन्ह और केसरिया दुपट्टा ओढ़ाकर किया। समारोह के मुख्य सहयोगी उमंग सक्सेना का भी विशेष सम्मान हुआ। प्रथम चरण में अनवरत 3 घंटे चले रचना पाठ में 30 कवियों ने अपनी सशक्त रचनाओं की प्रस्तुति दी। कवि शंभु मनहर ने भी अपनी कविताओं से श्रोताओं को भाव विभोर किया। कवि मनहर से उपस्थित लोगों से बड़े विनम्र भाव से दसवीं तक के बालक-बालिकाओं के कोमल हाथों से मोबाइल छीनने का आग्रह किया। वर्तमान में जो लव जिहाद की घटना घट रही है उसका मुख्य किरदार मोबाइल ही है। विशेष अतिथि कटारा ने अपने उद्बोधन में हिंदी के उन्नयन में कार्य कर रही परिषद के प्रति साधुवाद प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान की भागादौड़ी में लोगों को घर चलाने में ही फुरसत नहीं मिलती ऐसे में विगत पचास वर्षों से साहित्य संस्था चलाना आप जैसे साहित्यिक दीवानों का काम है। कटारा ने आगे कहा कि हम जिस प्रकार आज चन्द्र शेखर आजाद जैसे अनेक महानायकों को याद करते है उसी प्रकार हम ऐसे कार्य करे कि हमारी आने वाली पीढ़ियां भी हमारा स्मरण करे और कहे कि ये हमारे पूर्वज थे। संचालन शरत शास्त्री ने किया। आभार डा जयेंद्र वैरागी ने माना।

अंकुरम में हरित महोत्सव का किया आयोजन

झाबुआ। स्थानीय अंकुरम इंटरनेशनल स्कूल के प्री-प्राइमरी वर्ग के नन्हे विद्यार्थियों के लिए जंगल सफ़ारी विषय पर आधारित हरित महोत्सव का आयोजन बड़े ही उल्लासपूर्वक किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के कक्षों को हरियाली से युक्त जंगल के दृश्य के अनुरूप सजाया गया, जिससे बच्चों को प्राकृतिक वातावरण का वास्तविक अनुभव हो सके। आयोजन के अंतर्गत विद्यार्थियों ने विविध रोचक गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें हाथी की सूंड में रंग भरना, घड़ियाल को सजाना, बंदर को केला खिलाना जैसी खेल-आधारित शैक्षणिक गतिविधियां सम्मिलित थीं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की लघु मोटर कौशल, रचनात्मकता, दृष्टिबोध एवं टीम भावना का सुंदर विकास हुआ। सभी बच्चे हरे रंग के वस्त्रों में सजकर आए और फ्रजंगल-जंगल बात चली है, पता चला है... गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, जिससे वातावरण आनंद और उल्लास से भर गया। बच्चों को अपने टिफिन में हरे रंग के व्यंजन लाने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे उन्हें स्वस्थ खान-पान एवं रंगों की पहचान से भी परिचय प्राप्त हुआ। यह आयोजन पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता जगाने, प्रकृति से जुड़ाव बढ़ाने एवं शिक्षा को रोचक और जीवनोपयोगी बनाने की दिशा में एक उत्कृष्ट प्रयास रहा। इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में भावनात्मक, सामाजिक एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करती हैं और अनुभव आधारित शिक्षा को साकार रूप देती हैं। विद्यालय के संस्थापक डॉ. लोकेश दवे एवं प्राचार्य डॉ. रितेश लिमये ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षा को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखते, बल्कि बच्चों को जीवन से जोड़ते हैं। कार्यक्रम विद्यालय की प्री-प्राइमरी प्रभारी अर्चिता राठौर के मार्गदर्शन में सभी शिक्षिकाओं की सक्रिय सहभागिता से सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिला न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण किया

आलीराजपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अनीष कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार संपूर्ण मध्यप्रदेश में "पंच-ज" अभियान (जल, जंगल, जमीन, जन, जानवर) चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन हेतु विभिन्न आयोजन जैसे - नदियों के तट की सफाई, वृक्षारोपण, पर्यावरण सुरक्षा की जागरूकता शिविर आदि समय-समय पर आयोजित किये जाते है। इसी तारतम्य में जिला न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रथम जिला न्यायाधीश डॉ.अकबर शेख , द्वितीय जिला न्यायाधीश आर.पी. सेवेतिया ,मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्योत्सना आर्य , सचिव जि.वि.से.प्रा. जय पाटीदार , जेएमएफसी अनुराग सिंह सुमन , जेएमएफसी अंशुल चन्द्रा , जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलीप सिंह मुजाल्दा ,अध्यक्ष राजेश वाघेला अधिवक्ता संघ एवं अन्य अधिवक्तागण तथा लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

कलेक्टर ने दस्तावेजीकरण के फाइनल ड्राफ्ट की समीक्षा की

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना की पहल पर फ्रडुंगर बाबा नी जड़ी बूटियों नु जोवनारफ्र की विकासखंड स्तरीय एवं जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया था। कार्यशाला के आयोजन के उपरांत जिले में जड़ी बूटियों से उपचार के समृद्ध ज्ञान के दस्तावेजीकरण के निर्देश दिये गये थे। जिले में जनजातीय संस्कृति एवं परंपरा के औषधीय ज्ञान को विलुप्त होने से बचाने के लिए पुस्तक के रूप में संकलन के फाइनल ड्रॉफ्ट की आज कलेक्टर नेहा मीना द्वारा समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा फाइनल ड्रॉफ्ट के संबंध में अच्छा कार्य करने पर प्रशंसा की और कहा कि जिले के अमूर्त ज्ञान को संजोने के लिए अथक प्रयास एवं कड़ी मेहनत से पुस्तक के संकलन की प्रक्रिया की गयी है। उन्होंने कहा कि पुस्तक के प्रकाशन के उपरांत हार्ड कॉपी के साथ-साथ पुस्तक ई-बुक फॉर्मेट में ऑनलाइन शोपिंग वेबसाइट्स पर भी उपलब्ध रहेंगी जिससे जिले के समृद्ध ज्ञान के संबंध में देश-विदेश तक जानकारी मिल सकें। इस दौरान डॉ. केएस बारिया, डॉ. पार्वती एवं अन्य उपस्थित थे।

योजना अंतर्गत दिव्यांग छात्रों को किया लैपटॉप प्रदान

झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना ने जिले में मुख्यमंत्री नि:शक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत बंटी पिता मोहन डामोर निवासी छोटी धामनी पंचायत द्वारा कक्षा 9 वीं (बालक उत्कृष्ट उमावि थांदला) में 50.20 प्रतिशत तथा इरम पिता फिरोज खान निवासी पेटलावद द्वारा कक्षा 12वीं (शा. कन्या हायर सेकन्डरी स्कूल पेटलावद) में 70.40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर लेपटॉप भेंट किया गया। दोनों विद्यार्थियों द्वारा कलेक्टर को धन्यवाद दिया गया। कलेक्टर द्वारा भी उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई तथा अन्य किसी सहायता के लिए सीधे संपर्क करने को कहा। विदित है सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नि:शक्त शिक्षा प्रोत्साहन योजना का संचालन किया जा रहा है।

जिसके अंतर्गत दष्टबाधित, श्रवण बाधित, मंदबुद्धि अस्थिबाधित श्रेणी के दिव्यांग विद्यार्थियों को 9वीं में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अगली कक्षा 10वीं में प्रवेश लेने पर लेपटॉप दिया जाता है। वहीं अस्थिबाधित श्रेणी के दिव्यांगजन द्वारा 6 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर 10वीं में प्रवेश लेने पर लेपटॉप दिए जाने का प्रावधान है। अन्य श्रेणी के दिव्यांगजन द्वारा गत परीक्षा में 5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शासकीय उमावि, महाविद्यालय अथवा पॉलीटेक्निक (कालेज में न्यूनतम 2 वर्ष का डिप्लोमा) विद्यार्थी के रूप में प्रवेश लिया को लेपटॉप दिया जाता है। इस दौरान उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग पंकज सांवले, नीलिमा थिटे उपस्थित थे।

एक नजर — म .प्र . आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल ने जिले के शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई की मांग की

शिक्षा विभाग में व्यापक भ्रष्टाचार की शिकायत : एडीपीसी शर्मा और कंप्यूटर ऑपरेटर दीपक धनगर पर पटेल ने लगाए गंभीर आरोप

आलीराजपुर। मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल ने जिले के शिक्षा विभाग में व्याप्त व्यापक भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुखर होते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पटेल ने जिला शिक्षा विभाग में पदस्थ एडीपीसी (समग्र शिक्षा अभियान) श्री रामानुज शर्मा एवं अस्थायी कंप्यूटर ऑपरेटर दीपक धनगर के विरुद्ध प्रदेश के मुख्यमंत्री, शिक्षा विभाग सचिव, आदिम जाति कल्याण विभाग सचिव एवं प्रदेश आयुक्त को लिखित शिकायत भेजकर स्वतंत्र जांच और कठोर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है ।पटेल द्वारा दी गई शिकायत में कहा गया है कि श्री शर्मा और उनके सहयोगी धनगर द्वारा शिक्षा विभाग में लगातार भ्रष्टाचार किया जा रहा है, जिससे न केवल शासन की छवि

धूमिल हो रही है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को भी गहरा आघात पहुंच रहा है।

गंभीर आरोपों की सूची में शामिल प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैंः फर्जी बिल अपलोड कर भुगतानः वर्ष 2023-24 में इंदौर की एक ही मालिकाना फर्म के फर्जी बिल अपलोड कर ?50,000 का भुगतान कराना, वह भी प्राचार्यों की एसबीआई डीजीगो पोर्टल की यूजर आईडी और पासवर्ड लेकर।

गड़बड़ियाँ एवं पूर्व विवादः शर्मा पूर्व में भी बालिका आश्रम पलंग घोटाले, बीआरसी रहते हुए जूता कांड और सोड़वा के रवीना कांड जैसे विवादों में संलिप्त रहे हैं। वर्ष 2011 में इन्हें निलंबित भी किया गया था।

सीएम हेल्पलाइन की अनदेखी ःशिकायतों के बावजूद मूल संस्था में न भेजकर इन्हें पदोन्नत किया गया।

अस्थायी ऑपरेटर की भूमिकाःदीपक धनगर द्वारा फोन पर रिश्वत माँगना, प्रशिक्षणों में टेंडर प्रक्रिया के बिना एक ही व्यक्ति को भोजन व्यवस्था सौंपना, और बिलों में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए हैं।

स्थानांतरण के बावजूद पद पर बने रहनाः रामानुज शर्मा और उनकी पत्नी शोभा शर्मा दोनों का स्थानांतरण हो चुका है, लेकिन न्यायालय से स्थगन आदेश लेकर अभी भी अपने पदों पर बने हुए हैं, जो नियमों के विरुद्ध बताया गया है ।किताबों की जबरन खरीदीः पिछले 5 वर्षों से ज्ञानदीप पब्लिकेशन, दिल्ली की पुस्तकें जिले के 97 स्कूलों में बिना टेंडर प्रक्रिया के, प्राचार्यों पर दबाव डालकर जबरन खरीदी गई। टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताएँः शिक्षा सत्र 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 के दौरान करोड़ों रुपये के टेंडर बिना निर्धारित प्रक्रिया और नियमों के, कथित कमीशन के आधार पर वितरित किए गए। पटेल की माँगः महेश पटेल ने मांग की है कि समग्र शिक्षा, जेम पोर्टल से की गई सामग्री खरीदी, पुस्तक खरीदी, और समस्त टेंडर प्रक्रिया की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की जाए। साथ ही, दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल पद से हटाकर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एक सुनियोजित षड्यंत्र का आरोपः पटेल ने यह भी कहा कि यह पूरा प्रकरण न केवल भ्रष्टाचार का गंभीर मामला है, बल्कि प्रदेश की आदिवासी शिक्षा व्यवस्था को गिराने वाला एक सुनियोजित षड्यंत्र प्रतीत होता है। ऐसे अधिकारियों पर शीघ्र कार्रवाई कर सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी नीति को प्रभावी रूप से लागू किया जाना चाहिए।